भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4075
17 मार्च, 2026 को उत्तर के लिए

एमएसएमई विनिर्माण संकुलों पर इस्पात की बढ़ती कीमतों का असर

4075. **श्री पुष्पेंद्र सरोजः**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों के दौरान घरेलू इस्पात की कीमतों का अंतरराष्ट्रीय मानक कीमतों की तुलना में ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या भारतीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) निर्माता वैश्विक प्रतिस्पर्धियों की तुलना में अधिक इनपुट लागत का भुगतान कर रहे हैं और यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या इस्पात कीमतों में वृद्धि का एमएसएमई विनिर्माण क्लस्टरों पर प्रभाव, जिसमें लाभांश में कमी, उत्पादन में कटौती अथवा इकाइयों के बंद होने जैसे पहलू शामिल हैं, का आकलन किया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त अवधि के दौरान देश में इस्पात-प्रधान क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश सहित राज्य-वार तथा जिला-वार कितनी एमएसएमई इकाइयों ने वित्तीय संकट, ऋण पुनर्गठन अथवा इकाइयों के बंद होने की सूचना दी है;

(ङ) क्या निर्यात नीतियों, संरक्षात्मक शुल्कों या आपूर्ति संबंधी बाधाओं के कारण घरेलू कीमतों में वृद्धि हुई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) एमएसएमई विनिर्माण की प्रतिस्पर्धात्मकता की रक्षा हेतु प्रस्तावित सुधारात्मक व्यापार अथवा मूल्य निर्धारण संबंधी हस्तक्षेप क्या हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)**

(क) से (च): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और इस्पात की कीमतें बाजार की मांग और आपूर्ति की गतिशीलता द्वारा निर्धारित होती हैं। सरकार देश में लघु और मध्यम उत्पादकों सहित इस्पात क्षेत्र के विकास के लिए अनुकूल नीतिगत वातावरण तैयार कर एक सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करती है।

इस्पात के लिए कोई अंतरराष्ट्रीय मानक कीमत निर्धारित नहीं हैं। विगत तीन वर्षों अर्थात् जनवरी, 2023 से दिसंबर, 2026 तक के दौरान टीएमटी रीबार और सीआर कॉइल के घरेलू इस्पात कीमतों का विवरण **संलग्नक** में दिया गया है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने देश भर में अपने क्षेत्रीय कार्यालयों में 65 निर्यात सुविधा केंद्र (ईएफसी) स्थापित किए हैं, जिनका उद्देश्य एमएसएमई को उनके उत्पादों और सेवाओं के निर्यात में अपेक्षित मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करना है। ईएफसी प्रमुख क्षेत्रों में व्यापक सहायता देकर एमएसएमई निर्यातकों को सहयोग प्रदान करता है। इनमें निर्यात संबंधी योजनाओं और उनके लाभ की जानकारी का प्रसार, निर्यात संबंधित अनुपालन पर प्रशिक्षण एवं कार्यशालाएं, निर्यात दस्तावेज़ीकरण और प्रक्रियाओं में सहायता, उद्योग संघों, राज्य सरकारों और विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के साथ मिलकर एमएसएमई को सुविधा प्रदान करना शामिल है।

******

संलग्नक

पिछले तीन वर्षों के दौरान घरेलू इस्पात की कीमतों का ब्यौरा

	टीएमटी/रीबार (रु./टन)	एचआर कॉइल्स (रु./टन)
जनवरी, 2023	58536	58608
फरवरी, 2023	59311	60587
मार्च, 2023	58530	61212
अप्रैल, 2023	58011	61038
मई, 2023	56487	59886
जून, 2023	53731	57250
जुलाई, 2023	51396	57199
अगस्त, 2023	50879	57307
सितंबर, 2023	54784	58644
अक्टूबर, 2023	54608	59413
नवंबर, 2023	53271	58216
दिसंबर, 2023	52074	57570
जनवरी, 2024	50820	56631
फ़रवरी, 2024	50854	56114
मार्च, 2024	50485	55051
अप्रैल, 2024	52593	55409
मई, 2024	55900	56267
जून, 2024	55085	55655
जुलाई, 2024	49975	54674
अगस्त, 2024	48574	52992
सितंबर, 2024	47949	50479
अक्टूबर, 2024	49922	50892
नवंबर, 2024	50157	50502
दिसंबर, 2024	49015	49434
जनवरी, 2025	48570	49854
फ़रवरी, 2025	48822	50407
मार्च, 2025	50388	51343
अप्रैल, 2025	52390	53193
मई, 2025	51125	54108
जून, 2025	48756	53434
जुलाई, 2025	46318	52242
अगस्त, 2025	46439	51684
सितम्बर, 2025	45748	50839
अक्टूबर, 2025	44835	49983
नवंबर, 2025	44722	48280
दिसंबर, 2025	44824	47807

स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी)